Shot with my Galaxy M31
Samsung Quad Camera

UNIVERSITY OF CALCUTTA

HINDI (HNDD) SYLLABUS (हिन्दी पाठ्यक्रम)

INTER-DISCIPLINARY COURSE

(For all students who take Hindi as a IDC paper)

सत्र – प्रथम / द्वितीय / तृतीय

IDC- 3 Credits (1x3)

HNDD - IDC – 1 / 2 / 3

हिन्दी साहित्य : सामान्य परिचय

कविताएँ :

- नर हो न निराश करो मन को – मैथिलीशरण गुप्त
- कोशिश करने वालों की हार नहीं होती – सोहनलाल द्विवेदी
- भिक्षुक – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
- अकाल और उसके बाद – नागार्जुन
- मेरा नया बचपन – सुभद्रा कुमारी चौहान

कहानियाँ :

- बूढ़ी काकी – प्रेमचंद
- पाजेब – जैनेन्द्र
- वापसी – उषा प्रियंवदा

व्यंग्य :

- राजनीति का बँटवारा – हरिशंकर परसाई

पर्यायवाची शब्द :

1. आभूषण – गहना, अलंकार, भूषण
2. ईश्वर – भगवान, परमात्मा, परमेश्वर, प्रभु
3. उन्नति – प्रगति, विकास, उत्कर्ष
4. कमल – सरोज, नीरज, अरविन्द, अम्बुज
5. आँख – नेत्र, नयन, लोचन, दृग
6. चंद्रमा – चाँद, शशि, राकेश, इंदु
7. नदी – सरिता, तटिनी, तरंगिणी
8. अमृत – अमिय, पियूष, सुधा
9. पक्षी – खग, विहग, पखेरू

हिंदी पाठ्यक्रम

सामान्य के लिए

(For Honours General and MDC Course)

प्रथम सत्र

DSC/Core = 4 Credits (1 X 4) 3Th + 1P/TU

HIN-MD-CC-1-1-TH

आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता

(आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता की प्रस्तावना एवं परिचय)

विद्यापति – निम्नलिखित पद

- सखी रे हमर दुखक नहिं ओर
- मधुपुर मोहन गेल रे
- अनुखन माधव माधव सुमरइते सुंदरी भेल मधाई
- सरस बसंत समय भल पाओल दछिन पवन बहु धीरे
- कत सुख सार
- मोरे रे अँगना चानन केरि गछिया

कबीर - निम्नलिखित 5 पद 10 साखी

- संतो भाई आई ग्यान की आँधी रे
- पानी बिच मीन प्यासी

मन न रंगाए रंगाए जोगी कपरा

अरे इन दोउन राह न पाई

गगन घटा घहरानी

सतगुरु की महिमा अनंत

बिरहा- बिरहा मति कहौ

आँखड़ियाँ झाईं परी

माला तो कर में फिरै

जाप मरै अजपा मरै

तूँ -तूँ करता तू भया

हम घर जारा आपना

कस्तूरी कुण्डलि बसै

सुखिया सब संसार है

कबीर यहु घर प्रेम का

यसी - **पद्मावत (मानसरोदक खंड)**

दास - **निम्नलिखित पद (10)**

अवगति की गति कछु कहत न आवै

जौ लौं मन कामना न छूटैं

जसोदा हरि पालने झुलावै

किलकत कान्ह घुटुरुवनि आवत

खेलन में को काकौ गुसैयाँ

मैया हौं न चरैहों गाई

- बूझत श्याम कौन तू गोरी
- बिनु गोपाल बैरनि भई कुंजै
- आयो घोष बड़ो व्यापारी
- ऊधौ मन न भए दस बीस

तुलसीदास - निम्नलिखित 5 पद 10 दोहे

पद

- ऐसी मूढ़ता या मन की
- जाऊँ कहाँ तजि चरण तिहारे
- ऐसो को उदार जग माहीं
- पालनै रघुपति झुलावै / लै लै नाम सप्रेम सरस स्वर कौसल्या कल कीरति गावै
- भोर भयो जागहु, रघुनन्दन | गत-व्यलीक भगतनि उर-चन्दन ||

दोहे

- राम नाम अवलंब बिनु परमारथ की आस
- जे न मित्र दुख होई दुखारी
- राम नाम मनि दीप धरि जीह देहरी द्वार
- बध्यो बधिक पर्यो पुन्य जल
- आवत हिय हरषै नहीं, नैनन नहीं सनेह ।
- तुलसी काया साथ विपति के, विद्या, विनय, विवेक ।
- तुलसी काया खेत है, मनसा भयौ किसान
- तुलसी मीठे बचन ते सुख उपजत चहुँ ओर
- सचिव, बैद, गुरु तीनि जौं प्रिय बोलहिं भय आस

मीराबाई - निम्नलिखित पद (6)

- यह विधि भगति कैसे होय
- मैं तो साँवरे के रंग राँची
- राणाजी म्हाने या बदनामी लागे मीठी।
- हे री मैं तो प्रेम दिवाणी
- कोई कहियो रे प्रभु आवन की
- पग घुँघरू बाँधि मीरा नाची रे।

रहीम - निम्नलिखित दोहे (10)

- कहा करौं बैकुंठ लै
- खरच बढ़यो उद्यम घट्यो
- छिमा बड़ेन को चाहिए
- तरुवर फल नहीं खात है
- दीन सबन को लखत है
- दीरघ दोहा अरथ के
- पावस देखि रहीम मन
- प्रेम पंथ ऐसो कठिन
- बड़े बड़ाई ना करैं
- रहिमन देखि बड़ेन को
- रहिमन धागा प्रेम का
- रहिमन निज मन की बिथा
- रहिमन यह संसार में
- रहिमन विपदा हूँ भली

- रहिमन पानी राखिए

बिहारी - निम्नलिखित दोहे (15)

- अजौ तरौना ही रह्यौ
- इन दुखिया अँखियान कौ
- करौ कुबत जग कुटिलता
- या अनुरागी चित की
- जप माला छापा तिलक
- नहीं पराग नहिं मधुर मधु
- कहत नटत रीझत खिझत
- बतरस लालच लाल की
- अनियारे दीरघ दृगनि
- तो पर वारौं उरबसी
- जब जब वै सुधि कीजियै
- को छूट्यौ इहि जाल
- औंधाई सीसी सुलखि
- दृग उरझत टूटत कुटुम
- लिखन बैठि जाकी सबी

घनानंद - निम्नलिखित पद (6)

- झलकै अति सुन्दर आनन गौर
- हीन भए जल मीन अधीन
- मीत सुजान अनीति करौ
- प्रीतम सुजान मेरे हित के निधान

- रावरे रूप की रीति अनूप
- अति सूधो सनेह को मारग

रसखान - **निम्नलिखित सवैये (6)**

- मानुस हौं तो वही रसखान
- मोरपखा मुरली बनमाल
- फागुन लग्यो सखि जब तें
- कंचन मंदिर ऊँचे बनाई के
- सोहत है चंदवा सर मोर को
- कान्ह भए बस बांसुरी के

भूषण- **निम्नलिखित पद (6)**

- इंद्र जिमि जंभ पर बाड़व
- पावक तुल्य अमीतन को भयो
- ब्रह्म के आनन ते निकसे ते
- सबन के ऊपर ठाढ़ो रहिबे के जोग
- बाने फहराने घहराने घंटा गजन के
- ऊँचे घोर मंदर के अंदर रहनवारी

अनुमोदित पुस्तकें -

- विद्यापति पदावली - रामवृक्ष बेनीपुरी
- कबीर ग्रंथावली - सं. श्यामसुंदर दास
- सूर संचयिता - सं. मैनेजर पांडेय
- विनय पत्रिका - गोरखपुर ,गीताप्रेस

44.	Sur-charge	अधिभार
45.	Trade mark	मार्का
46.	Transaction	लेनदेन
47.	Turn over	पण्यावर्त
48.	Validity	वैधता
49.	Warranty	आश्वस्ति
50.	Withdrawal	आहरण

****

SEC = 4 credits (1 X 4) 4TH + 0P/TU

HIN-MD-SEC-1/2/3-1-TH

लोक साहित्य

(लोक साहित्य के प्रमुख रूपों की प्रस्तावना एवं परिचय)

- भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास, लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण
- लोकगीत : संस्कार गीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जातिगीत ।
- लोकनाट्य : रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, स्वांग , यक्षगान, बिदेसिया, भांड, तमाशा, नौटंकी।
- लोककथा : व्रतकथा, परिकथा, नाग-कथा, कथारूढ़ियाँ और अन्धविश्वास ।
- लोकभाषा : लोक सुभाषित- मुहावरे, कहावतें, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ ।
- लोकनृत्य एवं लोक संगीत ।

- लोक साहित्य : पाठ और परख - विद्या सिन्हा
- हिंदी व्याकरण एवं रचना - डॉ. वासुदेव नंदन प्रसाद

द्वितीय सत्र

HIN-MD-CC-2-2-TH

आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

(आधुनिक हिंदी कविता की प्रस्तावना और परिचय)

भारतेन्दु हरिश्चंद्र -

- नये जमाने की मुकरियाँ (1 से 14 तक)

अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' -

- एक तिनका
- कर्मवीर
- सरिता
- खद्योत
- फूल और काँटा

मैथिलीशरण गुप्त -

- सखि वे मुझसे कह कर जाते
- किसान
- मनुष्यता
- आर्य
- होली

जयशंकर प्रसाद -

- हमारा प्यारा भारतवर्ष
- अरुण यह मधुमय देश हमारा
- उठ-उठ री लघु-लघु लोल लहर
- मधुप गुनगुनाकर कह जाता
- ले चल वहाँ भुलावा देकर
- पेशोला की प्रतिध्वनि

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला -

- संध्या सुंदरी
- अधिवास
- जागो फिर एक बार (2)
- गहन है यह अंधकारा
- स्नेह निर्झर बह गया है
- ध्वनि

सुमित्रानंदन पंत -

- प्रथम रश्मि
- बादल
- गा कोकिल बरसा पावक कण
- मौन निमंत्रण
- धूप का टुकड़ा
- संध्या

महादेवी वर्मा -

- धीरे- धीरे उतर क्षितिज से
- क्या पूजा क्या अर्चन रे
- मैं नीर भरी दुःख की बदली
- चिर सजग आँखे उनींदी
- पंथ रहने दो अपरिचित
- यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो

सुभद्रा कुमारी चौहान -

- मेरा नया बचपन
- वीरों का कैसा हो बसंत
- गिरफ्तार होने वाले हैं
- प्रथम दर्शन
- ठुकरा दो या प्यार करो
- पारितोषिक का मूल्य

अनुमोदित पुस्तकें -

• भारतेन्दु रचना संचयन: सम्पादक	-	गिरीश रस्तोगी
• भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ -		रामविलास शर्मा
• मैथिलीशरण गुप्त: पुनर्मूल्यांकन	-	डॉ नगेंद्र
• राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त और साकेत	-	सूर्यप्रसाद दीक्षित
• जयशंकर प्रसाद	-	नन्ददुलारे वाजपेयी
• काव्य और कला तथा अन्य निबंध	-	जयशंकर प्रसाद

****

CVAC - ENVS BY THE UNIVERSITY OF CALCUTTA (FOR ALL HONOURS AND GENERAL) (ENVS and OTHERS decided by the University)
4 credits (2 X 2)

तृतीय सत्र

DSE/CORE = 4 credits (1X4) 3TH + 1P/TU

HIN-MD-CC-3-3-TH

आधुनिक हिन्दी कविता (छायावादोत्तर)

केदारनाथ अग्रवाल -

- जो जीवन की धूल चाटकर बड़ा हुआ
- पहला पानी
- हमारी जिंदगी
- मजदूर के जन्म पर
- वीरांगना

नागार्जुन -

- अकाल और उसके बाद
- घिन तो नहीं आती
- बहुत दिनों के बाद
- तुम किशोर तुम तरुण
- गुलाबी चूड़ियाँ

रामधारी सिंह दिनकर -

- कुरुक्षेत्र का छठा सर्ग

माखनलाल चतुर्वेदी -

- पुष्प की अभिलाषा
- कैदी और कोकिला
- जवानी

अज्ञेय -

- यह दीप अकेला
- मैं वहाँ हूँ
- कलगी बाजरे की
- साँप
- मैंने आहुति बनकर देखा

भवानी प्रसाद मिश्र -

- गीत फ़रोश
- सतपुड़ा के जंगल
- बुनी हुई रस्सी
- कठपुतली

रघुवीर सहाय -

- हँसो हँसो जल्दी हँसो
- रामदास
- पढ़िए गीता
- राष्ट्रगीत
- तोड़ो

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना -

- प्रार्थना
- काठ की घंटियाँ
- व्यंग्य मत बोलो

- लीक पर वे चलें
- पाठशाला खुला दो महाराज

धर्मवीर भारती -

- कविता की मौत
- संक्रांति
- उपलब्धि
- अँजुरी भर धूप
- आस्था

स्नेहमयी चौधरी

- पहचान
- घर
- भाषा
- धूप : एक गौरइया
- एक इंटरव्यू

AEC = 2 Credits (1X2)

2TH + OP/TU

HIN-MD-AEC-3-1-TH

हिंदी व्याकरण-रचना एवं कविताएँ

(हिंदी व्याकरण एवं रचना का परिचय)

- संज्ञा, सर्वनाम,
- विशेषण, क्रिया, अव्यय
- विलोम शब्द, पर्यायवाची शब्द
- शब्द समूहों के लिए एक शब्द

- मुहावरे और लोकोक्तियाँ

कविताएँ

- हिमाद्रि तुंग श्रृंग से (जयशंकर प्रसाद)
- उनको प्रणाम (नागार्जुन)
- सवेरे उठा तो धूप खिली थी (अज्ञेय)
- हो गई है पीर पर्वत सी (दुष्यंत)

अनुमोदित पुस्तकें -

- हिन्दी व्याकरण - कामताप्रसाद गुरु
- हिन्दी शब्दानुशासन - किशोरीदास वाजपेयी
- हिन्दी व्याकरण - एन. सी. ई. आर. टी.
- आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना - डॉ. वासुदेव नंदन प्रसाद
- बेसिक हिन्दी - बद्रीनाथ कपूर
- हिन्दी मुहावरे - श्री ब्रह्मस्वरूप दिनकर शर्मा
- हिंदी मुहावरा कोश - भवदेव पांडेय

****

DSE/CORE- 4 credits

3TH +1P/TU

चतुर्थ सत्र

HIN-MD-CC-4-4-TH

हिन्दी कहानी

- उसने कहा था- चंद्रधर शर्मा गुलेरी

Samsung Quad Camera
Shot with my Galaxy M31

- दुनिया का सबसे अनमोल रतन – प्रेमचंद
- गुंडा - जयशंकर प्रसाद
- हार की जीत – सुदर्शन
- पाली – भीष्म साहनी
- तीसरी कसम – रेणु
- बदला – अज्ञेय
- मिस पाल – मोहन राकेश
- परिंदे – निर्मल वर्मा
- डिप्टी कलक्टरी – अमरकांत
- मेरी माँ कहाँ - कृष्णा सोबती
- पिता – ज्ञानरंजन
- टेपचू - उदय प्रकाश
- ब्लैकहोल - संजीव

DSC/Core = 4 Credits (1 x 4) 3Th +1P/TU

HIN-MD-CC-4-5-TH

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

- हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा और उसका महत्व।
- हिन्दी साहित्य का काल-विभाजन और नामकरण ।
- आदिकाल की पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक), आदिकाल की प्रमुख प्रवृतियाँ एवं विशेषताएँ, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, रासो साहित्य, जैन साहित्य, लौकिक साहित्य का सामान्य परिचय और प्रमुख रचनाकार ।

Samsung Quad Camera
Shot with my Galaxy M31

- भक्तिकाल की पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक), भक्तिकाल की प्रमुख काव्यधाराओं की प्रवृतियाँ एवं विशेषताएँ तथा प्रमुख रचनाकार।
- रीतिकाल की प्रमुख प्रवृतियाँ तथा विशेषताएँ, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त तथा श्रृंगारेतर काव्य का सामान्य परिचय और प्रमुख रचनाकार।

AEC = 2 Credits (1X2)

2TH + 0P/TU

HIN-MD-AEC-4-2-TH

कहानी, निबंध एवं रचनात्मक लेखन

कहानी –

- मंत्र – प्रेमचंद
- भोलाराम का जीव – हरिशंकर परसाई
- त्रिशंकु - मन्नू भंडारी

निबंध –

- पर्यावरण संरक्षण – शुकदेव प्रसाद
- संस्कृति है क्या ? – दिनकर

पत्र लेखन -

भाव पल्लवन –

अनुमोदित पुस्तकें -

- हिन्दी व्याकरण - कामताप्रसाद गुरु
- हिन्दी शब्दानुशासन - किशोरीदास वाजपेयी
- हिन्दी व्याकरण - एन. सी. ई. आर. टी.
- आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना - डॉ. वासुदेव नंदन प्रसाद

Samsung Quad Camera
Shot with my Galaxy M31

******

पंचम सत्र

DSE/CORE- 4 credits(1x4)

3TH +1P/TU

HIN-H-CC-5-6-TH

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

- आधुनिक काल: राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
- हिन्दी नवजागरण
- भारतेंदु युग
- द्विवेदी युग
- छायावाद
- प्रगतिवाद
- प्रयोगवाद
- नई कविता
- समकालीन कविता

हिन्दी गद्य का विकास

- स्वतंत्रतापूर्व हिन्दी गद्य
- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी गद्य

3TH +1P/TU

DSE/CORE- 4 credits

HIN-H-CC-5-7-TH

(हिन्दी नाटक और एकांकी)

Samsung Quad Camera
Shot with my Galaxy M31

नाटक –

- अंधेर नगरी – भारतेन्दु हरिश्चंद्र
- ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद
- आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश
- माधवी – भीष्म साहनी

एकांकी –

- औरंगजेब की आखिरी रात – रामकुमार वर्मा
- कोणार्क – जगदीश चंद्र माथुर
- अधिकार का रक्षक – उपेन्द्रनाथ अश्क
- स्ट्राइक – भुवनेश्वर
- स्वर्ग में विप्लव – लक्ष्मीनारायण मिश्र

DSC/CORE- 4 credits(1x4)

3TH +1P/TU

HIN-MD-CC-6-8-TH

(हिन्दी उपन्यास)

- सेवासदन – प्रेमचंद
- त्यागपत्र – जैनेन्द्र कुमार
- मृगनयनी – वृंदावन लाल वर्मा
- महाभोज – मन्नू भंडारी
- ऐ लड़की – कृष्णा सोबती
- तमस – भीष्म साहनी